कुछ और बातें जोड़नी हैं कि आज मुस्लिम को कौन सी राहत सबसे ज़्यादा चाहिये और हम कैसे उस मक़सद को अमल में लाएं

1. हमको हर मस्जिद से लगा हुआ एक प्राइमरी हेल्थ सेंटर बनाने के लिये लोगों को प्रेरित करना चाहिये जहां रोज़मर्रा की बीमारियों का आम इलाज हासिल हो। इसमे हमको मुस्लिम डॉक्टरों और वो गैर मुस्लिम डॉक्टर जो समाज सेवा का नज़रिया रखते है उनकी मदद लेनी चाहिये। अगर मस्जिद से लगी हुई या उसके करीब हमको 50 ग़ज़ भी जगह मिलती है तो उसमें प्राइमरी हेल्थ सेंटर बनवाने के लिये लोगों को तैयार करना चाहिये। वजह साफ है कि मुस्लिम में सबसे ज़्यादा बीमारियां पाई जाती है और उनकी आमदनी का बड़ा हिस्सा इसपर खर्च होता है। अगर हम यह बचा सकें और उनको तंदुरुस्त रख सकें तो यह एक बड़ा काम होगा।

2-हमको कानूनी सलाह और मदद का एक सेंटर हर इलाके में खोलना चाहिये। इसी तरह का अमेरिका में काले अमेरिकियों के लिये खोल रखा है। कानूनी बेदारी भी मुस्लिम की ज़रूरत है क्योंकि बहुत ज़्यादा गरीब मुस्लिम मुकदमों में फंसा हुआ है। यह भी उसकी बड़ी मदद होगी।

3- मस्जिद के पास ही एक सूचना और बेसिक ज़रूरतों के लिए सेंटर खोलना चाहिये जिसमे कोई एक युवा बैठा हो जो ऑनलाइन फॉर्म और इसी तरह की जरूरतें पूरी करे। उसके लिये नेट का एक कनेक्शन दिलाना होगा जिसके महीने का खर्च 1000 या 1200 आएगा जिसको मस्जिद के खर्च में शामिल करवाया जाए।

4- हमको हर जगह एक ग्रुप ऐसा खड़ा करना चाहिए जो तब्लीगीओं की तब्लीग़ करे और उनको अपना वक़्त सोशल वर्क में लगाने के लिये तैयार करे। वो जिसकी जो क़ाबलियत है उस हिसाब से ऊपर बताये कामों में सहयोग करे।

5- हमको फ्री एजुकेशन सेंटर खोलने के लिये लोगों को प्रोत्साहित करना चाहिये। एजुकेशन के मोर्चे पर इम्पार क्या कर सकता है इसपर अलग से तफसीली बात होनी चाहिये।